

देखना जिसके आधार पर निदान किया जाता है; नाड़ी धरना- नाड़ी का निरीक्षण-परीक्षण करना; नाड़ी बोलना- नाड़ी में गति या स्पंदन होते रहना 3. बंदूक की नली 4. समय का एक मान जो 24 मिनट का होता है 5. छल-कपट 6. फेड़े आदि का मुँह 7. ज्योतिष विवाह के अवसर पर नाड़ी-नक्षत्र का विशेष रूप से बोधन किया जाता है, नाड़ी के तीन रूप हैं-आदूल, मध्य और अन्त्य।

नाड़ीक पुं. (तत्.) पटुआ नामक विशेष प्रकार का साग।

नाड़ी-कलापक पुं. (तत्.) एक विशेष प्रकार की घास।

नाड़ीका स्त्री. (तत्.) श्वास-नलिका।

नाड़ी-कूट पुं. (तत्.) ज्यो. नाड़ी-नक्षत्र का आकलन।

नाड़ी-केल पुं. (तत्.) नारियल।

नाड़ी-चरण पुं. (तत्.) पक्षी।

नाड़ी-जंघ पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन ऋषि 2. महाभारत के अनुसार एक चिरजीवी बगुना जो इंद्रद्युम्न नामक जलाशय में रहता है 3. महाभारत के अनुसार एक बगुना जो कश्यप का पुत्र, ब्रह्मा का अत्यंत प्रियपात्र था 4. कौआ।

नाड़ी-तरंग पुं. (तत्.) 1. काकोल 2. हिंडक

नाड़ी-तिक्त पुं. (तत्.) नेपाली नीम।

नाड़ी-देह वि. (तत्.) बहुत कमजोर या दुबना-पतना पु. शिव के एक द्वारपाल का नाम।

नाड़ी-नक्षत्र पुं. (तत्.) ज्यो. विवाह के अवसर पर वर-वधू मिलापक में कल्पित चक्रों में स्थित नक्षत्र।

नाड़ी-मंडल पुं. (तत्.) विषुवत रेखा।

नाड़ी-यंत्र पुं. (तत्.) 1. आयु. एक प्राचीन उपकरण जिसकी सहायता से नाड़ी का परीक्षण कर उसकी चीड़-फाड़ की जाती है तथा उसमें घुसी चीजें निकालकर रोग या कष्ट का निदान किया जाता है।

नाड़ीवल्लय पुं. (तत्.) समय का बोध कराने वाला एक प्राचीन यंत्र।

नाड़ीव्रण पुं. (तत्.) एक ऐसा घाव जो नली के छेद के समान होता है तथा उसमें मवाद निकलता रहता है, नासूर। sinus

नाड़ी-शाक पुं. (तत्.) पटुआ नामक विशेष प्रकार का साग।

नाड़ी-हिंगु पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का वृक्ष जिसकी गोंद से हींग जैसी गंध आती है 2. उक्त वृक्ष का गोंद जो कि औषधि के भी काम आता है।

नाडूदाना पुं. (देश.) मैसूर राज्य का बैल जो कद में छोटा पर अधिक परिश्रमी होता है।

नाणाक/नाणक पुं. (तत्.) 1. सिक्का 2. निष्क नामक एक प्राचीन सिक्का 3. धातु।

नात स्त्री. (अर.) 1. मुहम्मद साहब की छंदबद्ध स्तुति 2. प्रशंसा, स्तुति। पु. 1. नाता 2. नातेदार।

नातका पुं. (अर.) बोलने की शक्ति, वाक्शक्ति 2. वाणी मुहा- नातका बंद करना- वाद-विवाद में निरुत्तर या परास्त कर देना।

नातमाम वि. (फा.) 1. जो कार्य अभी पूरा न हुआ हो, अपूर्ण जिसका कुछ भाग अभी होना बाकी हो, अधूरा।

नातरि अव्य. (तद्.) अन्यथा, नहीं तो उदा. 'भली भई जु गुर मिल्या, नातर होति हानि।' -कबीर ग्रंथावली, साखी 1/19।

नातरु अव्य. (तद्.) दे. नातरि।

नातवाँ वि. (फा.) शारीरिक दृष्टि से दुर्बल या कमजोर।

नातवानी स्त्री. (फा.) शारीरिक दुर्बलता या कमजोरी।

नाता पुं. (तत्.) 1. परस्पर एक दूसरे का संबंध, रिश्ता 2. मानव-जीवन में होने वाली पारस्परिक लगाव का संबंध जो जन्म से रक्त-संबंध के कारण या विवाह-सूत्र में बंधन के कारण बनता है प्रयो. वह नाते में मेरा भाई लगता है 3. वैवाहिक संबंध प्रयो. वह आज उनकी लड़की से